भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **1804**
गुरुवार, 1 अगस्त, 2024 / 10 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

शीत लहर के कारण उड़ान में व्यवधान

1804. डॉ. एम. के. विष्णु प्रसादः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को उत्तर भारत, विशेषकर दिल्ली में शीत लहर के कारण जनवरी, 2024 में विमानपत्तनों से उड़ान प्रचालनों में आ रही समस्याओं जैसे उड़ान में विलंब और कई उड़ानें रद्द होने जैसी समस्याओं की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) शीत लहर के दौरान दिल्ली विमानपत्तन पर विमान प्रचालनों में व्यवधान के क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार ने इन व्यवधानों के लिए किसी को जिम्मेदार ठहराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या यह सच है कि सरकार की प्रतिबद्धताओं के अनुसार देश के विमानपत्तनों पर तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध/पर्याप्त नहीं हैं जिसके कारण शीत लहर के दौरान उड़ानों का परिचालन प्रभावित हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और स्थिति क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): दिल्ली सहित उत्तर भारत में भीषण कोहरा / शीत लहर की स्थिति के कारण जनवरी, 2024 में उड़ान प्रचालन में समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिसमें उड़ानों में देरी और उड़ानें रद्द होना शामिल है।

(ख): शीत लहर के दौरान दिल्ली हवाईअड्डे पर उड़ान प्रचालन में व्यवधान के कारण इस प्रकार हैं:

i. भीषण कोहरे की स्थिति की निरंतरता।
ii. कुछ विमानों का कैट-III परिस्थितियों में उतरने में सक्षम न होना और कुछ पायलटों का कैट-III प्रमाणित न होना।

(ग) और (घ): मैसर्स एअर इंडिया और मैसर्स स्पाइसजेट लिमिटेड को पर्याप्त रूप से योग्य और वर्तमान कैट-III प्रमाणित पायलटों के साथ प्रचालन नहीं करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे और उनके जवाबों के आधार पर, कोहरे के दौरान गैर-योग्य कैट-III प्रमाणित पायलटों को तैनात करने के लिए मैसर्स एअर इंडिया और मैसर्स स्पाइसजेट लिमिटेड पर 30-30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

नीचे दिए गए विवरण के अनुसार, भारत में 06 हवाईअड्डों के रनवे को कैट-III प्रचालन के लिए प्रमाणित किया गया है:

i. इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा, नई दिल्ली;

ii. चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा, लखनऊ;

iii. जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा, जयपुर;

iv. श्री गुरु राम दास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा, अमृतसर;

v. नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा, कोलकाता;

vi. केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा, बेंगलुरु

*****